SA-05

December - Examination 2018

B.A. Pt. III Examination

नाटक तथा व्याकरण

Paper - SA-05

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

निर्देश : इस प्रश्न–पत्र के तीन खण्ड हैं – 'अ', 'ब' और 'स'। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(खण्ड – अ) **$10 \times 2 = 20$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : **निर्देश :**सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) अभिज्ञानशाकुन्तलम् नाटक के मंगलाचरण में किसकी आराधना की गयी है।

(ii) विष्कम्भक किसे कहते हैं?

(iii) अभिज्ञानशाकुन्तलम् के अनुसार शाकुन्तला की सखियों का क्या नाम है?

(iv) पातुं न प्रथमं जलं युष्माष्वपीतेषु या – अभिज्ञानशाकुन्तलम् के अनुसार यह कथन किसका है?

(v) अंगुलीयक (अगूँठी) दर्शन अभिज्ञानशाकुन्तलम् नाटक के किस अंक में है?

(vi) तद्धित प्रत्यय किसे कहते हैं?

(vii) पद संज्ञक सूत्र का उल्लेख कीजिए।

(viii) तद्धित प्रत्यय किन्हें कहा जाता है?

(ix) ''परिहास विजल्पितं सखे परमार्थेन न गृह्यतां वचः एव'' यह उक्ति किसकी है?

(x) ऋदोरप् इस सूत्र से क्या अभिप्राय है?

(खण्ड – ब) **$4 \times 10 = 40$**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

2) किसी एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए।

i) आ परितोषाद् विदुषां न साधु मन्ये प्रयोगविज्ञानम्
बलवदपि शिक्षितानामात्मन्यप्रत्ययं चेतः।।

ii) स्त्रीणामशिक्षितपटुत्वममानुषीषु,
संदृश्यते किमुत याः प्रतिबोधवत्यः।
प्रागन्तरिक्षगमनात् स्वमपत्यजात –
मन्यैर्द्विजैः परभृताः खलु पोषयन्ति।।

3) अभिज्ञानशाकुन्तलम् नाटक के नामकरण की संक्षिप्त समीक्षा कीजिए।

4) 'तत्र रम्या शकुन्तला' इस पंक्ति के आलोक में अभिज्ञानशाकुन्तलम् नाटक के वैशिष्ट्य को स्पष्ट कीजिए।

5) निम्न में से किन्हीं दो सूत्रों को सोदाहरण सिद्ध कीजिए।

i) सार्वधातुकार्धधातुकयो:

ii) ण्वुलतृचौ

i) आभीक्ष्ण्ये णमुल च

ii) अश्वपत्यादिभ्यश्च अण्

5) निम्न में से किन्हीं दो शब्दों की सिद्धि कीजिए।

i) नन्दन:।

ii) कुम्भकार:।

i) उष्णभोजी।

ii) वाराणसेयं।

6) लकार किसे कहते हैं? दस लकारों का नामोल्लेख कीजिए।

7) प्रत्यय के प्रकारों को स्पष्ट कीजिए।

8) त्व एवं तल् प्रत्यय को सूत्र सहित स्पष्ट कीजिए।

9) अभिज्ञानशाकुन्तलम् के आधार उपमा कालिदासस्य पंक्ति को संक्षेप मे समझाइए।

Section - C $2 \times 20 = 40$

(Long Answer Questions)

Note: Answer **any two** questions. You have to delimit your each answer maximum up to 500 words. Each question carries 20 marks.

(खण्ड – स)

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

10) ''अर्थान्तरन्यासविन्यासे कालिदासो विशिष्यते'' इस कथन की समीक्षा कीजिए।

11) अभिज्ञानशाकुन्तलम् के आधार पर शकुन्तला का चरित्र चित्रण कीजिए।

12) अभिज्ञान शाकुन्तलम् में प्रकृति चित्रण पर एक लेख लिखिए।

13) तद्धित प्रत्ययों की सूत्र सहित सोदाहरण विवेचना कीजिए।

———